DEPARTMENT OF HINDI

CITY COLLEGE, KOLKATA-9

CURRICULAM-WISE CLASS HOUR RECORD

(ACADEMIC YEAR 2021-22)

ODD SEMESTER JULY 21 – DECEMBER 21				
Name of Teacher		**SANDEEP PRASAD** Assistant Professor & Head of Department		
Semester & Course		Topic	Number of Lectures	Examination
I	GE/CC 1	**हिंदी साहित्य का इतिहास** कालविभाजन एवंनामकरण, आदिकालीनकाव्य धाराएँ –सिद्ध, नाथ एवंजैनसाहित्य, प्रमुख रासोकाव्य, आदिकालीनहिन्दीसाहित्य की सामान्य विशेषताएँ। भक्तिआन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिकपृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुणकवि, प्रमुख सगुणकवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथारीतिमुक्तकवि। 1857 का स्वतंत्रतासंघर्षऔरहिन्दीनवजागरण, भारतेन्दु युगीनसाहित्य की विशेषताएँ, महावीरप्रसाद द्विवेदीऔरउनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखकऔरकवि, मैथिलीशरणगुप्तऔरराष्ट्रीय काव्यधारा।हिन्दीमें गद्य विधाओंकाउद्भवऔरविकास–उपन्यास, कहानी, नाटक,	25	Internal Exam Date : 07.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 06.03.22
	AECC 1	**अनिवार्य हिंदी** • **निबंध:** नाखून क्यों बढ़ते हैं ? - हजारीप्रसादद्विवेदी, घीसा - महादेवीवर्मा, पर्यावरणसंरक्षण - शुकदेवप्रसाद, धूमकेतु - गुणाकर मुले • **कविताएँ:** (i) बीती विभावरी जाग री - जयशंकरप्रसाद (ii) पैतृकसंपत्ति (जबबापमरा...) - केदारनाथअग्रवाल (iii) उनकोप्रणाम - नागार्जुन (iv) होगईहैपीरपर्वतसी - दुष्यंतकुमार (v) धार्मिकदंगोंकीराजनीति - शमशेरबहादुरसिंह • **कहानियाँ:** 1. मंत्र - प्रेमचंद 2. भोलारामकाजीव - हरिशंकरपरसाई 3. त्रिशंकु - मन्नूभंडारी 4. पाली - यशपाल	16	Internal Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 28.02.22
III	CC 3	**आधुनिक हिंदी कविता** 1.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक) 2. मैथिलीशरणगुप्त यशोधरा महाभिनिष्क्रमण) 3. जयशकं र प्रसाद हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठउठ - लघु लोल लहर-री लघु; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर;	24	Internal Exam Date : 08.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 27.01.22

		4. सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि ; दगा की; 5. सच्चिदानंदहीरानंदवात्स्यायन 'अज्ञेय' यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर; 6. नागार्जुन बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक;		
	SEC A 1	**विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग** • विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, • विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त। • विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। • उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की • भूमिका। • विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता। • विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)। • विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।	16	Internal Exam Date : 07.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 27.01.22
	DSE A 2	**छायावाद** **2. छायावाद** जयशंकर प्रसाद - दीप, भारत महिमा, अपलक जगती हो एक रात, झरना, महाकवि तुलसीदास। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - बादल राग-6 (तिरती है समीर सागर पर), बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु, मौन, राजे ने अपना रखवाली की, विधवा। सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, वह धरती कितना देती है, नौका विहार, चींटी, मोह। महादेवी वर्मा - धूप-सा तन दीप-सी मैं, विसर्जन, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, आशा, प्रिय ! सांध्य गगन।	18	Internal Exam Date : 08.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 19.01.22
V	**SEC A 1**	**विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग** • विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, • विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त। • विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। • उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की • भूमिका। • विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता। • विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)। • विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।	14	Internal Exam Date : 07.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 15.01.22

EVEN SEMESTER JANUARY 22 – JUNE 22

Name of Teacher		**SANDEEP PRASAD** **Assistant Professor & Head of Department**		
Semester & Course		**Topic**	**Number of Lectures**	**Examination**
II	**GE/CC 2**	**मध्यकालीन हिंदी कविता** 1. **कबीरदास** **पद- संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई ,गगन घाटा घहरानी स्सधो गगन घटा घहरानी ।** 2. **सूरदास** **पद-अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; जसोदा हरि पालनैं झुलावै; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; मैया हौं न चरैहों गाई; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार;** 3. **तुलसीदास** **पद - ऐसी मूढ़ता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों ,; माधव मो समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।** 4. **मीराबाई** **पद- यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरधर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीमेरो दरद न जाने कोय-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।** 5. **रसखान** **पद-मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,** 6. **बिहारी** **पद-अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि;**	24	Internal Exam Date : 21.06.22 Tutorial Exam Date : 30.04.22
IV	**CC 4**	**हिंदी गद्य साहित्य** 1. **उपन्यास** : त्यागपत्र — जैनेन्द्रकुमार 2. **कहानी** : नमककादारोगा– प्रेमचंद आकाशदीप– जयशंकरप्रसाद परदा– यशपाल वापसी– उषाप्रियंवदा 3. **निबंध** : लोभऔरप्रीति– रामचंद्र शुक्ल कुटज– हजारीप्रसाद द्विवेदी	14	Internal Exam Date : 23.06.22 Tutorial Exam Date : 30.04.22
	LCC 2 1	**हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण** • हिंदीव्याकरण एवंरचना–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं • अव्यय कापरिचय ।उपसर्ग, प्रत्यय तथासमास ।पर्यायवाची शब्द, • विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य • शुद्धि, मुहावरेऔरलोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण • संप्रेषण की अवधारणाऔरमहत्त्व • संप्रेषण के प्रकार • संप्रेषण के माध्यम • संप्रेषण की तकनीक • अध्ययन, वाचन एवंचर्चा : प्रक्रिया एवंबोध • साक्षात्कार, भाषणकला एवंरचनात्मकलेखन	10	Internal Exam Date : 23.06.22 Tutorial Exam Date :30.04.22

	SEC B 1	**अनुवाद : सिद्दांत और प्रविधि** • अनुवाद का अर्थ, स्वरुप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। • बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका। • अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। • अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया) • सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन। क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद • 'विश्वप्रपंच की भूमिका'। • कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रिज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन। • पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।	19	Internal Exam Date : 23.06.22
VI	**DSE B 2**	**प्रेमचंद** • उपन्यास–सेवासदन • नाटक–कर्बला • निबंध –साहित्य काउद्देश्य • कहानियाँ –पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, दोबैलों की कथा।	9	Internal Exam Date : Tutorial Exam Date : 30.04.22
	LCC 2 2	**हिंदी भाषा और सम्प्रेषण** • भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवंविविध रूप • हिंदीभाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवंअव्यय संबंधी। • हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवंव्यंजन। • स्वर के प्रकार–ह्रस्व, दीर्घतथासंयुक्त। • व्यंजन के प्रकार–स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोषतथाअघोष। • वर्णोंकाउच्चारणस्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथादन्तोष्ठ्य। • बलाघात, संगम, अनुतानतथासंधि। • भाषासंप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचनतथालेखन। • हिंदीवाक्य रचना, वाक्य औरउपवाक्य।वाक्य भेद।वाक्य का रूपान्तर। • भावार्थऔरव्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।	11	Internal Exam Date : Tutorial Exam Date : 30.04.22
	SEC B 1	**अनुवाद : सिद्दांत और प्रविधि** • अनुवाद का अर्थ, स्वरुप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। • बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका। • अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। • अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया) • सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन। क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद • 'विश्वप्रपंच की भूमिका'। • कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रिज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन। • पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।	16	Internal Exam Date :

ODD SEMESTER JULY 21 – DECEMBER 21				
Name of Teacher		**DEEP NARAYAN CHOUHAN** (Joined on 02.05.2022) **Invitee Resource Person**		
Semester & Course		**Topic**	**Number of Lectures**	**Examination**
III	CC 3	**आधुनिक हिंदी कविता** 1.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक) 2. मैथिलीशरणगुप्त यशोधरा महाभिनिष्क्रमण) 3. जयशकं र प्रसाद हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठउठ - लघु लोल लहर-री लघु; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर; 4. सूर्यकातं त्रिपाठीनिराला संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि ; दगा की; 5. सच्चिदानंदहीरानंदवात्स्यायन 'अज्ञेय' यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर; 6. नागार्जुन बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक;	02	Internal Exam Date : 08.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 27.01.22
	SEC A 1	**विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग** • विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, • विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्वान्त। • विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। • उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की • भूमिका। • विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता। • विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)। • विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।	03	Internal Exam Date : 07.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 27.01.22
V	DSE A 2	**छायावाद** 2. छायावाद जयशंकर प्रसाद - दीप, भारत महिमा, अपलक जगती हो एक रात, झरना, महाकवि तुलसीदास। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - बादल राग-6 (तिरती है समीर सागर पर), बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु, मौन, राजे ने अपना रखवाली की, विधवा। सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, यह धरती कितना देती है, नौका विहार, चींटी, मोह। महादेवी वर्मा - धूप-सा तन दीप-सी मैं, विसर्जन, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, आशा, प्रिय ! सान्ध्य गगन।	05	Internal Exam Date : 08.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 19.01.22

	SEC A 1	**विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग** • विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, • विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त। • विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। • उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की • भूमिका। • विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता। • विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)। • विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।	03	Internal Exam Date : 07.01.22 Tutorial Exam Date : 08.01.22 Theoretical Exam Date : 15.01.22